tal No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC HND MIL (A) 1

2014

(November)

HINDI

(Modern Indian Language)

(Arts)

Course : 101

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

*Candidates **eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **7***

Full Marks : 80

Pass Marks : 32 (Backlog) / 24 (2014–15 Session)

*andidates **not eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **8***

Full Marks : 100

Pass Marks : 40 (Backlog) / 30 (2014–15 Session)

DIBRU COLLEGE EST. 1963 DIBRUGARH

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) काकु शंकर कय करहु करुणानाथ
यो न छाड़हुँ रामावाणी।
सब अपराधक बाधक तुवा नाम
ताहे शरण लेहु जानि॥

अथवा

निर्गुण कौन देस को बासी?
मधुकर! कहि समुझाय, सौंह दे बूझति सांच न हाँसी॥
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी।
कैसो बरन, भेस है कैसो, किहि रस मैं अभिलासी॥
पावेगो पुनि कियौ आपनौ, जो रे करैगो गाँसी।
सुनत मौन है रह्यौ ठग्यौ सो, सूर सबै मति नासी॥

(ख) मरण नहीं है ओ व्याध
मात्र रूपान्तर है वह
सबका दायित्व लिया मैंने अपने ऊपर
अपना दायित्व सौंप जाता हूँ मैं सबको।

अथवा

उनको दुख है
नये आम की मंजरियों को पाला मार गया है।
तुमको दुख है
काव्य-संकलन दीमक चाट गये हैं।

(ग) तुम उपहार की वस्तु हो, आज मैं तुम्हें किसी दूसरे को दे देना चाहता हूँ। इसमें तुम्हें क्यों आपत्ति हो?

अथवा

जीवन नियति के कठोर आदेश पर चलेगा ही। नियति ने मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन में सायंकालीन शीतल छाया से मिला दिया हो।

2. 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों की विरह दशा का वर्णन कीजिए।

अथवा

'वरगीत' के आधार पर शंकरदेव कल्पित ईश्वर के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(Continued)

3. 'मधुशाला' कविता का भावार्थ लिखिए। 10

अथवा

साबित कीजिए कि पौराणिक कथानक के माध्यम से 'अंधायुग' कविता में आधुनिक युग की त्रासदी अभिव्यक्त हुई है।

4. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का सारांश प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता पर अपना विचार प्रस्तुत कीजिए।

5. (क) लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का कविता के क्षेत्र में दिए गए अवदानों का वर्णन कीजिए। 4

(ख) लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ के प्रारम्भिक जीवन का वर्णन कीजिए। 4

(ग) रोमांटिक काव्यधारा में लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का क्या योगदान है? 2

अथवा

रूपकुँवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3×3=9

(क) कबीरदास ने माया को महाठगिनी क्यों कहा है?

(ख) गोपियों ने ऐसा क्यों कहा है कि, "उद्धव मन नाहीं दस बीस"?

(ग) 'रामराज्य' में प्रकृति का व्यवहार कैसा था? स्पष्ट कीजिए।

(Turn Over)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दीजिए : 1×7=

(क) आधुनिक युग की मीरा किसे कहा गया है?

(ख) 'अंधायुग' कविता की घटना किस पौराणिक कथा पर आधारित है?

(ग) नागार्जुन का पूरा नाम क्या है?

(घ) 'वे और तुम' कविता में 'वे' किसको सम्बोधित कर कहा गया है?

(ङ) 'गुनाहों का देवता' किसकी रचना है?

(च) "हरिवंश राय बच्चन हालावाद/प्रगतिवाद के प्रवर्तक माने जाते हैं।" सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।

(छ) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली'—किसकी रचना है?

(In lieu of Internal Assessment)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=2

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'रामराज्य' कविता का सारांश लिखिए।

(ग) 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों की वाक्पटुता पर अपना विचार प्रस्तुत कीजिए।

★★★